Vews.in
Trusted News. Unbiased Views.

Vol. 2026 • Issue No. 210
15 Stories • 16 Pages

VEWS

https://vews.in/
Published Daily

YOUR DAILY E-PAPER • TRUSTED NEWS SOURCE

WEDNESDAY | **WEDNESDAY, 29 JULY 2026** | E-PAPER EDITION

TOP STORIES संभव नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक् • लुम्बिनी नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व • निर्भैर नाम का अर्थ, सिख धर्म में म

बेबी नाम

संभव नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व | जैन लड़कों के नाम

'[illegible]' [illegible] '[illegible]' [illegible] '[illegible]', [illegible]

● NEWS DESK | 29 JUL 2026

'संभव' एक सुंदर जैन नाम है जिसका अर्थ है 'उत्पत्ति' या 'संभावना'। यह तीसरे जैन तीर्थंकर का भी नाम है। इस नाम के गहरे आध्यात्मिक महत्व और व्यक्तित्व लक्षणों के बारे में जानें।

▶ CONTINUE READING ON PAGE 2

बेबी नाम

लुम्बिनी नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व

लुम्बिनी नाम की गहरी बौद्ध जड़ों, इसके पवित्र अर्थ और इस नाम वाली लड़कियों के अद्भुत व्यक्तित्व गुणो

▶ PAGE 3

बेबी नाम

निर्भैर नाम का अर्थ, सिख धर्म में महत्व और व्यक्तित्व

निर्भैर एक सुंदर सिख नाम है जिसका अर्थ है 'बिना शत्रुता के'। जानिए इस नाम का गहरा अर्थ, उत्पत्ति और

▶ PAGE 4

☰ INSIDE TODAY'S EDITION

संभव नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व | जै pg. 2
लुम्बिनी नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व pg. 3
निर्भैर नाम का अर्थ, सिख धर्म में महत्व और व् pg. 4
तविश नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व pg. 5
निर्वैर नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व | pg. 6
एला नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व | जैन pg. 7
उरुक्रम नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व | pg. 8
यूएई में फंसा बच्चा, जेल में पति : हैदराबाद की pg. 9
गाजा पर AI जानकारी : इजरायल पर करोड़ों के निवे pg. 10
इज़राइल की पायलट योजना : दक्षिणी लेबनान में कु pg. 11
इराक में अमेरिकी-सऊदी हमले : ईरान समर्थित मिलि pg. 12
NEET 2026 पर BJP के पुराने वीडियो : सोशल मीडिय pg. 13
मणिपुर : एक संघर्षरत राज्य में मतदाता की पहचान pg. 14
पाकिस्तान का है वायरल पुलिस फायरिंग वीडियो, भ pg. 15
हनुमान भजन पर नाचते मुस्लिम शख्स का वायरल वीड pg. 16

बेबी नाम

तविश नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व

तविश एक दुर्लभ और शक्तिशाली हिन्दू लड़के का नाम है जिसका अर्थ है 'स्वर्ग' या 'सू

▶ PAGE 5

बेबी नाम

निर्वैर नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व | Sikh Boy Name Nirvair

'निर्वैर' नाम का गहरा अर्थ जानें, जो सिख संस्कृति में बिना शत्रुता और प्रेम का प

▶ PAGE 6

बेबी नाम

एला नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व | जैन बच्ची के लिए

एला नाम का गहरा अर्थ जानें, जो जैन संस्कृति में सुंदरता, प्रकृति और शांति का प्र

▶ PAGE 7

बेबी नाम

उरुक्रम नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व | भगवान विष्णु का एक दुर्लभ नाम

उरुक्रम नाम का गहरा अर्थ जानें, जो भगवान विष्णु के विशाल चरणों का प्रतीक है।

▶ PAGE 8

बेबी नाम

संभव नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व | जैन लड़कों के नाम

'□□□□' □□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ '□□□□□□□□' □□ '□□□□□□□'। □□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□ □□। □□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□

BY NEWS DESK | PUBLISHED: 29 JUL 2026, 03:15 PM

□□□□□ □□□□ □□ □□□□□, □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□ \ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□

स

संभव एक अत्यंत पवित्र और गहरा अर्थ रखने वाला जैन नाम है, जिसका शाब्दिक अर्थ 'उत्पत्ति' या 'संभावना' है। यह नाम जैन धर्म के तीसरे तीर्थंकर, भगवान संभवनाथ से जुड़ा है, जिन्होंने अपने जीवनकाल में आत्मज्ञान प्राप्त किया और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त किया। इस नाम का चयन उन माता-पिता के लिए आदर्श है जो अपने बच्चे में आध्यात्मिक मूल्यों, संभावनाओं और नई शुरुआत की भावना को संजोना चाहते हैं। यह नाम जैन परंपरा में एक समृद्ध इतिहास और गहन धार्मिक महत्व रखता है।

अंक ज्योतिष के अनुसार, संभव नाम का अंक 3 है, जो रचनात्मकता, सामाजिकता और आशावाद से जुड़ा है। इस नाम वाले व्यक्ति अक्सर कलात्मक प्रतिभा, उत्कृष्ट संचार कौशल और जीवन के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। वे प्रेरणादायक और उत्साही होते हैं, और अपनी ऊर्जा से दूसरों को भी प्रभावित करते हैं। वे अक्सर सामाजिक होते हैं और दूसरों के साथ गहरे संबंध बनाने में सक्षम होते हैं। यह नाम बच्चे के व्यक्तित्व में नेतृत्व क्षमता और एक उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है।

▶ **Read Online:** https://vews.in/baby-name/sambhav-jain-boy-name-meaning-hi

बेबी नाम

लुम्बिनी नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व

[illegible]

BY NEWS DESK | PUBLISHED: 29 JUL 2026, 02:02 PM

[illegible]

ल

लुम्बिनी नाम का अर्थ है "बुद्ध का जन्मस्थान" या "एक पवित्र उपवन"। यह नेपाल में स्थित वह पावन स्थल है जहाँ राजकुमार सिद्धार्थ गौतम (जो बाद में भगवान बुद्ध बने) का जन्म हुआ था। बौद्ध धर्म में लुम्बिनी का अत्यधिक महत्व है, क्योंकि यह बौद्ध धर्म के चार सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है। यह नाम प्रकृति की सुंदरता, शांति और आध्यात्मिक जागृति का प्रतीक है, जो एक ऐसे बच्चे के लिए आदर्श है जो जीवन में शांति और ज्ञान लाए।

अंक ज्योतिष के अनुसार, लुम्बिनी नाम का मूलांक 8 है। यह अंक संतुलन, शक्ति, महत्वाकांक्षा और आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि का प्रतिनिधित्व करता है। इस नाम वाली लड़कियाँ अक्सर मजबूत इरादों वाली, न्यायप्रिय और नेतृत्व क्षमता से भरपूर होती हैं। वे जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित होती हैं और दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनती हैं। उनका स्वभाव शांत और विचारशील होता है, जो उन्हें गहन आध्यात्मिक खोज के लिए प्रेरित करता है।

▶ **Read Online:** https://vews.in/baby-name/lumbini-buddhist-girl-name-meaning-hi

बेबी नाम

निर्भैर नाम का अर्थ, सिख धर्म में महत्व और व्यक्तित्व

[illegible] 'निर्भउ निर्भैर' से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'बिना शत्रुता के'। [illegible] सिख धर्म के मूल सिद्धांतों [illegible]।

BY NEWS DESK | PUBLISHED: 29 JUL 2026, 12:46 PM

[illegible]

न

निर्भैर एक अत्यंत पवित्र और गहरा अर्थ रखने वाला सिख नाम है, जो मूल मंत्र के महत्वपूर्ण भाग 'निर्भउ निर्भैर' से लिया गया है। इसका शाब्दिक अर्थ है "बिना शत्रुता के" या "जो किसी से कोई बैर नहीं रखता"। यह नाम सिख धर्म के मूल सिद्धांतों में से एक को दर्शाता है, जो सभी के प्रति प्रेम, समानता और सद्भाव की भावना पर जोर देता है। यह नाम उस व्यक्ति को दिया जाता है जो निष्पक्ष, दयालु और सभी जीवों के प्रति सम्मान का भाव रखता है, बिना किसी भेदभाव या द्वेष के।

अंक ज्योतिष के अनुसार, निर्भैर नाम के व्यक्ति अक्सर उच्च नैतिक मूल्यों वाले, न्यायप्रिय और निस्वार्थ स्वभाव के होते हैं। वे समाज में शांति और भाईचारा स्थापित करने की दिशा में कार्य करते हैं और दूसरों के प्रति गहरी सहानुभूति रखते हैं। इस नाम वाले लोग अक्सर मजबूत इच्छाशक्ति वाले, साहसी और दृढ़ निश्चयी होते हैं, जो अपने सिद्धांतों पर अडिग रहते हैं। उनका व्यक्तित्व शांत और स्थिर होता है, जो उन्हें किसी भी चुनौती का सामना धैर्य और समझदारी से करने में मदद करता है।

▶ **Read Online:** https://vews.in/baby-name/nirvair-sikh-boy-name-meaning-hi

बेबी नाम

तविश नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व

[illegible]

BY NEWS DESK | PUBLISHED: 29 JUL 2026, 11:30 AM

[illegible]

त

तविश नाम संस्कृत भाषा से उत्पन्न हुआ एक अत्यंत सुंदर और अर्थपूर्ण हिन्दू नाम है। इसका शाब्दिक अर्थ 'स्वर्ग', 'शक्तिशाली' और 'सूर्य' है। यह नाम भारतीय पौराणिक कथाओं और प्राचीन ग्रंथों में शक्ति, प्रकाश और दिव्यता का प्रतीक माना जाता है। 'सूर्य' के अर्थ के साथ, यह नाम जीवनदायिनी ऊर्जा, ज्ञान और तेजस्विता का प्रतिनिधित्व करता है, जो इसे एक गहरा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व प्रदान करता है।

अंक ज्योतिष के अनुसार, तविश नाम का भाग्यशाली अंक 4 है। अंक 4 वाले व्यक्ति आमतौर पर बहुत व्यावहारिक, मेहनती और दृढ़ निश्चयी होते हैं। वे जीवन में स्थिरता, सुरक्षा और व्यवस्था को महत्व देते हैं। ऐसे व्यक्ति अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अथक प्रयास करते हैं और अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लेते हैं। तविश नाम वाले बच्चे अक्सर रचनात्मक, विश्लेषणात्मक और विश्वसनीय होते हैं, जो उन्हें अपने जीवन के हर क्षेत्र में सफल बनाते हैं।

▶ **Read Online:** https://vews.in/baby-name/tavish-hindu-boy-name-meaning-hi

बेबी नाम

निर्वैर नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व | Sikh Boy Name Nirvair

'□□□□□□□' □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□, □□ □□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□, □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□□।

BY NEWS DESK | PUBLISHED: 29 JUL 2026, 10:15 AM

□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□, □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□ | Sikh Boy Name Nirvair

न

निर्वैर नाम सिख धर्म और संस्कृति में एक गहरा और पवित्र अर्थ रखता है। यह शब्द मूल मंत्र का एक अभिन्न अंग है, जो सिख धर्म का मूल सिद्धांत है। 'निर्वैर' का अर्थ है 'बिना शत्रुता के' या 'किसी से द्वेष न रखने वाला'। यह नाम उस व्यक्ति को दर्शाता है जो सभी प्राणियों के प्रति प्रेम, करुणा और समानता का भाव रखता है, और किसी के प्रति कोई द्वेष या शत्रुता नहीं रखता। यह सिख जीवन शैली के एक महत्वपूर्ण आदर्श को दर्शाता है, जहाँ सभी के साथ शांति और सद्भाव से रहना सिखाया जाता है।

अंक ज्योतिष के अनुसार, निर्वैर नाम वाले व्यक्ति में अक्सर उच्च आदर्श और मजबूत नैतिक मूल्य होते हैं। वे न्याय के प्रबल समर्थक होते हैं और दूसरों के प्रति दयालुता और सहानुभूति रखते हैं। इस नाम के जातक अक्सर निस्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा करने को तत्पर रहते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं। मंगल ग्रह (जो 9 अंक का स्वामी है) के प्रभाव के कारण, उनमें साहस, दृढ़ संकल्प और नेतृत्व के गुण भी होते हैं, जिससे वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल होते हैं।

▶ **Read Online:** https://vews.in/baby-name/nirvair-sikh-boy-name-meaning-hi

बेबी नाम

एला नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व | जैन बच्ची के लिए

[illegible]

BY NEWS DESK | PUBLISHED: 29 JUL 2026, 09:00 AM

[illegible]

एला नाम संस्कृत मूल का एक सुंदर और दुर्लभ नाम है, जिसका अर्थ 'इलायची' या 'पृथ्वी' होता है। इलायची एक सुगंधित और मूल्यवान मसाला है, जो इस नाम को मिठास, विशिष्टता और समृद्धि प्रदान करता है। वहीं, 'पृथ्वी' का अर्थ नाम को स्थिरता, पोषण और जीवनदायिनी शक्ति से जोड़ता है। जैन परंपरा में, प्रकृति और उसके तत्वों का सम्मान किया जाता है, और एला नाम इस प्राकृतिक सुंदरता और पवित्रता को दर्शाता है। यह नाम एक ऐसे व्यक्तित्व का प्रतीक है जो शांत, संतुलित और आंतरिक शक्ति से परिपूर्ण हो।

अंक ज्योतिष के अनुसार, एला नाम का भाग्यशाली अंक 9 है। अंक 9 वाले व्यक्ति अक्सर मानवीय, दयालु और निस्वार्थ होते हैं। वे दूसरों की मदद करने में विश्वास रखते हैं और उनमें नेतृत्व के गुण स्वाभाविक रूप से मौजूद होते हैं। एला नाम की लड़कियां अक्सर रचनात्मक, कलात्मक और आध्यात्मिक होती हैं। वे जीवन में संतुलन और सद्भाव को महत्व देती हैं और अपने आसपास सकारात्मक ऊर्जा फैलाती हैं। इस नाम वाली बच्ची में एक गहरी समझ और ज्ञान की प्यास देखी जा सकती है, जो उसे जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की ओर ले जाती है।

▶ **Read Online:** https://vews.in/baby-name/ela-jain-girl-name-meaning-hi

बेबी नाम

उरुक्रम नाम का अर्थ, उत्पत्ति और व्यक्तित्व | भगवान विष्णु का एक दुर्लभ नाम

[illegible]

BY NEWS DESK | PUBLISHED: 29 JUL 2026, 07:46 AM

[illegible]

उरुक्रम एक अत्यंत पवित्र और दुर्लभ हिन्दू बालक का नाम है, जिसका शाब्दिक अर्थ है "विशाल पगों वाला" या "महान चरणों वाला"। यह नाम सीधे भगवान विष्णु से जुड़ा है, जो ब्रह्मांड के संरक्षक और पालनकर्ता हैं। भगवान विष्णु ने अपने वामन अवतार में तीन पगों में तीनों लोकों को नाप लिया था, और इसी महान कार्य के कारण उन्हें उरुक्रम के नाम से भी जाना जाता है। यह नाम शक्ति, विस्तार और ब्रह्मांडीय विजय का प्रतीक है, जो आपके बच्चे के लिए एक गौरवशाली और आध्यात्मिक पहचान प्रदान करता है।

अंक ज्योतिष के अनुसार, उरुक्रम नाम का भाग्यशाली अंक 3 है, जो रचनात्मकता, आत्म-अभिव्यक्ति और आशावाद का प्रतीक है। इस अंक वाले व्यक्ति अक्सर प्रेरणादायक, सामाजिक और कलात्मक प्रतिभा से संपन्न होते हैं। वे उत्साही होते हैं और दूसरों को प्रेरित करने की स्वाभाविक क्षमता रखते हैं। इस नाम के जातक जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं। यह नाम उन्हें आध्यात्मिक विकास और नेतृत्व के गुणों से भी परिपूर्ण करता है, जिससे वे समाज में एक महत्वपूर्ण स्थान बना पाते हैं।

▶ **Read Online:** https://vews.in/baby-name/urukrama-hindu-boy-name-meaning-hi

विदेश

यूएई में फंसा बच्चा, जेल में पति : हैदराबाद की महिला की दिल दहला देने वाली गुहार

[illegible] (UAE) [illegible]

BY FURKAN S KHAN | PUBLISHED: 29 JUL 2026, 03:15 PM

K

Key Highlights

- हैदराबाद की एक महिला ने भारत सरकार से मदद मांगी।
- उनका नाबालिग बेटा यूएई में फंसा है, पति जेल में बंद हैं।
- विदेश मंत्रालय और दूतावास से हस्तक्षेप की अपील की गई है।

यूएई में फंसे परिवार की हृदय विदारक कहानी

हैदराबाद की एक महिला ने भारत सरकार से भावुक अपील की है। वह अपने नाबालिग बेटे को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से वापस भारत लाना चाहती हैं, वहीं उनके पति यूएई की जेल में बंद हैं। इस दर्दनाक स्थिति ने पूरे परिवार को तोड़ कर रख दिया है। महिला की गुहार ने विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों की दुर्दशा को फिर से उजागर किया है।

महिला ने बताया कि उनके पति को यूएई में एक मामले में गिरफ्तार कर लिया गया था। गिरफ्तारी के बाद, उनका बेटा वहीं अकेला रह गया। यह बच्चा अपने पिता के साथ रह रहा था। अब मां चाहती है कि बेटे को जल्द से जल्द सुरक्षित भारत वापस लाया जाए।

दूतावास और विदेश मंत्रालय से मदद की आस

पीड़ित महिला ने भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय से लगातार संपर्क साधा है। उन्होंने अपनी कहानी कई अधिकारियों तक पहुंचाई है। उनका कहना है कि इस संकट में उन्हें तत्काल सरकारी मदद की सख्त जरूरत है। बेटे की सुरक्षा उनकी सबसे बड़ी चिंता है।

भारतीय अधिकारियों ने इस मामले पर ध्यान देने का आश्वासन दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि वे यूएई में भारतीय दूतावास के माध्यम से इस मामले की बारीकी से जांच कर रहे हैं। राजनयिक चैनल सक्रिय किए गए हैं। पति की कानूनी स्थिति और बेटे की वापसी के लिए विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

 Did You Know? संयुक्त अरब अमीरात में 3.5 मिलियन से अधिक भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो यूएई की कुल आबादी का लगभग 30% हिस्सा हैं। यह दुनिया में भारतीय प्रवासियों का सबसे बड़ा समूह है।

अंतर्राष्ट्रीय कानूनों और न्यायिक प्रक्रियाओं की जटिलताएँ

ऐसे मामलों में अंतर्राष्ट्रीय कानून और संबंधित देशों की न्यायिक प्रक्रियाएं अक्सर जटिल होती हैं। किसी भी नागरिक की गिरफ्तारी या हिरासत से जुड़े मामलों में, भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास आवश्यक कांसुलर सहायता प्रदान करते हैं। इसमें कानूनी मदद, परिवार से संपर्क स्थापित करना और जेल में मुलाकात शामिल है। हालांकि, न्यायिक निर्णय संबंधित देश के कानूनों के तहत ही लिए जाते हैं।

महिला ने प्रधानमंत्री कार्यालय से भी इस मानवीय मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। उनका मानना है कि उच्च-स्तरीय हस्तक्षेप से उनके परिवार को राहत मिल सकती है। वे अपने बेटे को जल्द से जल्द अपनी गोद में देखना चाहती हैं। पति की रिहाई के लिए भी कानूनी विकल्पों की तलाश जारी है। यह मामला विदेशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित करने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस संवेदनशील मामले पर नवीनतम अपडेट के लिए Vews News पर बने रहें।

▶ **Read Online:** https://vews.in/videsh/child-trapped-in-uae-husband-in-jail-hyderabad-womans-heartbreaking-plea

विदेश

गाजा पर AI जानकारी : इजरायल पर करोड़ों के निवेश का आरोप, क्या है सच्चाई ?

[illegible]

BY FURKAN S KHAN | PUBLISHED: 29 JUL 2026, 02:00 PM

K

Key Highlights

- इजरायल पर कथित तौर पर गाजा से जुड़ी AI जानकारी को प्रभावित करने के लिए लाखों डॉलर के निवेश का आरोप लगा है।
- इस अभियान का लक्ष्य ऑनलाइन कथाओं और वैश्विक धारणाओं को आकार देना बताया जा रहा है।
- यह मुद्दा डिजिटल युग में सूचना की अखंडता और एआई के नैतिक उपयोग पर नई बहस को जन्म दे रहा है।

हालिया रिपोर्टों ने एक गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि इजरायल गाजा पट्टी से संबंधित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) द्वारा जनरेट की गई जानकारी को प्रभावित करने के लिए करोड़ों डॉलर खर्च कर रहा है। इन दावों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींचा है। सूचना युद्ध के इस नए आयाम पर चिंताएं बढ़ गई हैं। यह आरोप वैश्विक ऑनलाइन संवाद और जनमत को सूक्ष्मता से बदलने के उद्देश्य से लगाए गए हैं।

एआई और गाजा : सूचना युद्ध का नया मोर्चा ?

यह कथित अभियान इजरायल-गाजा संघर्ष के इर्द-गिर्द की डिजिटल कथा को नियंत्रित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हो सकता है। सूत्र बताते हैं कि इस फंडिंग का उपयोग AI चैटबॉट्स और अन्य जनरेटिव AI प्लेटफॉर्म्स पर गाजा से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित तरीके से प्रस्तुत करने के लिए किया जा रहा है। इससे उन लोगों पर सीधा असर पड़ता है जो जानकारी के लिए इन तकनीकी साधनों पर निर्भर करते हैं। यह एक नया मोड़ है जहां भू-राजनीतिक संघर्ष सीधे तकनीकी एल्गोरिदम से जुड़ रहे हैं।

रिपोर्टें बताती हैं कि इस रणनीति में AI मॉडल को विशिष्ट डेटासेट के साथ 'ट्रेन' करना शामिल हो सकता है। इसका परिणाम यह होगा कि AI आउटपुट एक विशेष दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह सिर्फ तथ्यों को प्रस्तुत करने से कहीं अधिक है। यह धारणाओं को आकार देने का एक शक्तिशाली तरीका है। ऐसे प्रयास सूचना की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। वे पारदर्शिता और निष्पक्षता की आवश्यकता को उजागर करते हैं।

आरोपों की गहराई : कैसे हो रहा है यह सब ?

विभिन्न विश्लेषकों और संगठनों ने इस संभावित हेरफेर की ओर इशारा किया है। उनका मानना है कि इसका उद्देश्य ऑनलाइन चर्चाओं को एक खास दिशा में मोड़ना है। यह केवल पारंपरिक मीडिया या सोशल मीडिया अभियानों तक ही सीमित नहीं है। अब AI के माध्यम से उपयोगकर्ताओं तक पहुंच बनाई जा रही है AI की वस्तुनिष्ठता पर संदेह पैदा करना अपने आप में एक महत्वपूर्ण बात है। यह चिंता का विषय है क्योंकि लाखों लोग रोजमर्रा की जानकारी के लिए AI पर भरोसा करते हैं।

इस आरोप ने एआई एथिक्स और इसके गैर-जिम्मेदाराना उपयोग पर बहस को तेज कर दिया है। यदि ये दावे सही साबित होते हैं, तो यह दिखाता है कि कैसे अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग संवेदनशील भू-राजनीतिक मुद्दों पर जनमत को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है। ऐसे अभियानों के दीर्घकालिक परिणाम गंभीर हो सकते हैं। वे सार्वजनिक विश्वास को कमजोर कर सकते हैं।

डिजिटल युग में सत्य की लड़ाई

इस पूरे मामले पर इजरायल की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, यह घटना आधुनिक सूचना परिदृश्य की जटिलताओं को रेखांकित करती है। सत्य और तथ्य की खोज डिजिटल शोर में और भी मुश्किल हो गई है। सरकारों और अन्य शक्तिशाली संस्थाओं के लिए AI का उपयोग एक नया और शक्तिशाली उपकरण बन गया है। इससे सूचना के लोकतंत्रीकरण पर खतरा मंडरा रहा है। यह घटनाक्रम डिजिटल नागरिकता और AI साक्षरता की आवश्यकता को पुष्ट करता है। उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन मिलने वाली जानकारी की सत्यता पर हमेशा सवाल उठाना चाहिए। यह अनिवार्य है।

Share Your Opinion!

इस संवेदनशील मामले पर आपकी क्या राय है ? क्या आपको लगता है कि एआई के माध्यम से जानकारी को प्रभावित करना सही है ? नीचे टिप्पणी करके बताएं। इस मामले पर नवीनतम अपडेट के लिए Vews.in पर बने रहें।

▶ **Read Online:** https://vews.in/videsh/ai-information-on-gaza-israel-accused-of-investing-millions-what-is-the-truth

विदेश

इज़राइल की पायलट योजना : दक्षिणी लेबनान में कुछ परिवारों की वापसी, उम्मीदें और चुनौतियां

[illegible]

BY FURKAN S KHAN | PUBLISHED: 29 JUL 2026, 12:00 PM

K

Key Highlights

- इज़राइल की एक पायलट योजना के तहत दक्षिणी लेबनान में विस्थापित परिवारों की वापसी शुरू।
- सुरक्षा चिंताओं और बुनियादी ढांचे के अभाव के कारण वापसी की प्रक्रिया धीमी है।
- सीमा पर लगातार तनाव और सैन्य गतिविधियां वापसी में बड़ी बाधा बनी हुई हैं।

दक्षिणी लेबनान में वापसी : एक धीमी और सतर्क शुरुआत

लंबे समय से जारी सीमाई तनाव के बीच, दक्षिणी लेबनान के अपने घरों से विस्थापित हुए कुछ परिवार अब इज़राइल की एक पायलट योजना के तहत वापसी कर रहे हैं। यह कदम क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में एक छोटा, लेकिन महत्वपूर्ण प्रयास है। हालाँकि, यह वापसी प्रक्रिया बेहद धीमी है और कई गंभीर चुनौतियों से घिरी हुई है, जो इस अस्थिर क्षेत्र की जटिल वास्तविकताओं को उजागर करती है।

पायलट योजना का उद्देश्य और पृष्ठभूमि

यह पायलट योजना उन परिवारों को उनके मूल स्थानों पर लौटने में सहायता देने के लिए तैयार की गई है, जो इज़राइल-गाजा संघर्ष के बाद इज़राइल-लेबनान सीमा पर लगातार गोलाबारी और सैन्य तनाव के कारण अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए थे। हज़ारों की संख्या में लेबनानी नागरिक सीमावर्ती गाँवों से विस्थापित हुए थे। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य मानवीय आधार पर एक सीमित संख्या में परिवारों को अपने स्थानों पर वापस आने का अवसर देना है। यह एक परीक्षण चरण है, जिससे भविष्य में बड़े पैमाने पर वापसी की संभावनाओं और आवश्यकताओं का आकलन किया जा सके।

सुरक्षा चिंताएं और संघर्ष का साया

वापसी के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा सुरक्षा की लगातार बनी हुई चिंता है। सीमा के दोनों ओर सैन्य गतिविधियाँ अभी भी जारी हैं। नियमित रूप से रॉकेट दागे जाने और हवाई हमलों की खबरें आती रहती हैं। इन्हीं कारणों से बड़ी संख्या में परिवार तुरंत वापस लौटने से हिचक रहे हैं। उनका मानना है कि जब तक क्षेत्र में पूर्ण शांति और सुरक्षा बहाल नहीं हो जाती, तब तक अपने बच्चों और प्रियजनों को संभावित जोखिम में डालना उचित नहीं होगा। कई घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। बुनियादी सेवाएँ भी पूरी तरह से बहाल नहीं हुई हैं।

बुनियादी सुविधाओं का अभाव और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढाँचा

वापस लौटने वाले परिवारों को बुनियादी सुविधाओं के अभाव का सामना करना पड़ रहा है। कई सीमावर्ती गाँवों में पानी, बिजली और चिकित्सा सेवाओं जैसी मूलभूत सुविधाएँ अभी तक पूरी तरह से बहाल नहीं हुई हैं। संघर्ष के दौरान सड़कों, स्कूलों और घरों सहित बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुँचा है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य मानवीय संगठन इन परिवारों की सहायता के लिए प्रयासरत हैं, लेकिन चुनौतियों का पैमाना बहुत बड़ा है। यह वापसी केवल सुरक्षित मार्ग प्रदान करने से कहीं अधिक है। इसमें जीवन के पुनर्निर्माण का प्रयास भी शामिल है।

क्षेत्रीय तनाव का गहरा असर

इज़राइल-गाजा संघर्ष के गहराते प्रभावों ने इस सीमावर्ती क्षेत्र को अत्यधिक संवेदनशील बना दिया है। लेबनान का हिज़्बुल्लाह समूह और इज़राइली सेना के बीच झड़पें एक नियमित घटना बन गई हैं। ऐसे में, किसी भी वापसी योजना को इन क्षेत्रीय भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखना होगा। यह केवल परिवारों की व्यक्तिगत इच्छा का मामला नहीं है। यह व्यापक सुरक्षा ढांचे पर भी निर्भर करता है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और संबंधित पक्षों द्वारा सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

भविष्य की राह

कुछ परिवारों की यह वापसी एक महत्वपूर्ण सांकेतिक कदम है। यह दर्शाता है कि संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में भी सामान्य स्थिति बहाल करने की इच्छा मौजूद है। हालाँकि, यह योजना तभी सफल हो सकती है जब सीमा पर तनाव कम हो और विस्थापितों के लिए एक सुरक्षित, टिकाऊ वातावरण बनाया जा सके। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और संबंधित पक्षों के बीच गहन कूटनीतिक प्रयास ही इस दिशा में आगे बढ़ने का एकमात्र प्रभावी रास्ता है।

FAQ

इज़राइल की पायलट योजना क्या है ?

इज़राइल की पायलट योजना दक्षिणी लेबनान के उन विस्थापित परिवारों को चरणबद्ध तरीके से उनके घरों में वापस लाने का एक प्रारंभिक प्रयास है, जो इज़राइल-गाजा संघर्ष के बाद सीमा पर हुए तनाव के कारण अपने गांवों को छोड़कर चले गए थे। इसका उद्देश्य सीमित संख्या में परिवारों की वापसी के लिए एक सुरक्षित मार्ग और आवश्यक सहायता प्रदान करना है।

दक्षिणी लेबनान में वापसी धीमी क्यों है ?

वापसी की धीमी गति का मुख्य कारण सीमा पर जारी सुरक्षा चिंताएं हैं, जिसमें लगातार सैन्य झड़पें और गोलाबारी शामिल है। इसके अतिरिक्त, कई गांवों में पानी, बिजली और चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव और संघर्ष के कारण व्यापक रूप से क्षतिग्रस्त हुआ बुनियादी ढाँचा भी परिवारों की वापसी को बाधित कर रहा है।

इस जटिल स्थिति पर नवीनतम अपडेट्स के लिए, Vews.in पर बने रहें।

▶ **Read Online:**
https://vews.in/videsh/israels-pilot-plan-the-return-hopes-and-challenges-of-some-families-in-southern-lebanon

विदेश

इराक में अमेरिकी-सऊदी हमले : ईरान समर्थित मिलिशिया ठिकानों पर निशाना, क्षेत्रीय तनाव बढ़ा

[illegible]

BY FURKAN S KHAN | PUBLISHED: 29 JUL 2026, 08:15 AM

K

Key Highlights

- अमेरिकी और सऊदी सेना ने इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया ठिकानों पर हवाई हमले किए।
- यह कार्रवाई क्षेत्र में हालिया अमेरिकी ठिकानों पर हुए हमलों के बाद हुई है।
- हमलों से मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने की आशंका है।

इराक में अमेरिकी-सऊदी हमले : ईरान समर्थित मिलिशिया निशाने पर

मध्य पूर्व से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अमेरिकी और सऊदी सेना ने इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों के ठिकानों पर लक्षित हमले किए हैं। इन हमलों का उद्देश्य उन समूहों को कमजोर करना बताया गया है जो कथित तौर पर क्षेत्र में अमेरिकी और सहयोगी हितों को निशाना बनाते रहे हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब इराक और व्यापक मध्य पूर्व में क्षेत्रीय तनाव पहले से ही चरम पर है, जिससे स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। सैन्य सूत्रों ने इन हमलों की पुष्टि की है।

क्षेत्रीय तनाव और अमेरिकी चेतावनी

यह कार्रवाई कोई आकस्मिक घटना नहीं है। हाल के दिनों में बगदाद में अमेरिकी-लिंक्ड साइटों पर ड्रोन हमले हुए हैं, जिन्होंने सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा दिया था। इन घटनाओं के मद्देनजर, अमेरिकी दूतावास ने बगदाद में संभावित मिलिशिया हमलों के बारे में चेतावनी जारी की थी। सुरक्षा अधिकारियों ने ईरान से जुड़े समूहों द्वारा अमेरिकी और पश्चिमी हितों को निशाना बनाए जाने की आशंका पर विश्वव्यापी सुरक्षा अलर्ट भी जारी किया था। ये हमले इन पूर्व चेतावनियों और खतरों की पृष्ठभूमि में हुए हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि स्थिति की गंभीरता काफी बढ़ चुकी है।

हमले विशेष रूप से उन ठिकानों को निशाना बनाते हुए किए गए जहां इन मिलिशिया समूहों के हथियार डिपो, कमांड सेंटर या प्रशिक्षण सुविधाएं स्थित होने की जानकारी मिली थी। वाशिंगटन और रियाद दोनों ही इन समूहों को मध्य पूर्व में अस्थिरता का प्रमुख स्रोत मानते हैं। इस संयुक्त कार्रवाई को एक मजबूत संदेश के तौर पर देखा जा रहा है कि अमेरिका और उसके सहयोगी क्षेत्र में अपने कर्मियों और संपत्तियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं।

बढ़ता संघर्ष और स्थिरता पर असर

इन हमलों के बाद इराक और पड़ोसी देशों में प्रतिक्रियाएं तीव्र होने की उम्मीद है। ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों ने पहले ही जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है, जिससे क्षेत्र में हिंसा का एक नया दौर शुरू होने का डर है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है, क्योंकि किसी भी तरह की बड़ी वृद्धि पूरे मध्य पूर्व की नाजुक शांति को भंग कर सकती है। राजनयिक प्रयास अब और भी महत्वपूर्ण हो गए हैं, ताकि सैन्य टकराव को और बढ़ने से रोका जा सके और क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।

स्थानीय इराकी अधिकारियों ने अभी तक इन हमलों पर कोई विस्तृत टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, देश की संप्रभुता के उल्लंघन को लेकर चिंताएं उठ सकती हैं। इस तरह के सैन्य अभियान इराक के भीतर विभिन्न राजनीतिक और सैन्य गुटों के बीच तनाव को और बढ़ा सकते हैं। वैश्विक विश्लेषक मानते हैं कि यह घटनाक्रम मध्य पूर्व में शक्ति संतुलन और भविष्य के सुरक्षा परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है।

?? अपनी राय साझा करें !

इराक में हुए इन हमलों से क्षेत्रीय स्थिरता कैसे प्रभावित होगी ? आपकी क्या राय है ?

इस विषय पर अधिक विस्तृत समाचार कवरेज के लिए, Vews.in पर आते रहें।

▶ **Read Online:**
https://vews.in/videsh/us-saudi-attacks-in-iraq-targeting-iran-backed-militia-bases-escalating-regional-tensions

ट्रेंडिंग

NEET 2026 पर BJP के पुराने वीडियो : सोशल मीडिया पर सवालों के घेरे में पार्टी

□□□□□ □□ NEET 2026 □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□, □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□, □□□□□ □□□□ □□□□□,

BY ZAINAB | PUBLISHED: 29 JUL 2026, 02:01 PM

K

Key Highlights

- भाजपा ने नीट 2026 के सफल छात्रों के रूप में पुराने वीडियो साझा किए।
- ये वीडियो मूल रूप से नीट 2022 और 2023 की सफलता की कहानियों के थे।
- सोशल मीडिया यूजर्स और फैक्ट-चेकर्स ने इस भ्रामक पोस्ट की पोल खोली।

हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो पोस्ट किए, जिनमें दावा किया गया कि ये नीट 2026 परीक्षा में सफल हुए छात्रों की कहानियाँ हैं। इन पोस्ट्स ने तेजी से ध्यान आकर्षित किया। हालाँकि, जल्द ही यह सामने आया कि ये वीडियो असल में कई साल पुराने थे, जिससे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर विवाद खड़ा हो गया।

भाजपा के दावे और उनकी असलियत

भाजपा के आधिकारिक हैंडल से साझा किए गए इन वीडियो में छात्रों को अपनी सफलता की कहानी साझा करते हुए दिखाया गया था। पोस्ट्स में 2026 के नीट परिणामों की बात की गई, जो अभी घोषित भी नहीं हुए हैं। यह विसंगति तुरंत लोगों की नज़र में आ गई। सोशल मीडिया यूजर्स ने इन पोस्ट्स पर सवाल उठाने शुरू कर दिए।

फैक्ट-चेकर्स ने उजागर की सच्चाई

विभिन्न फैक्ट-चेकिंग संगठनों ने इन वीडियो की जाँच की। उनकी पड़ताल से पता चला कि ये क्लिप्स पहले नीट 2022 और नीट 2023 की परीक्षा में सफल हुए छात्रों से संबंधित थीं। इन पुराने वीडियो को नए संदर्भ में प्रस्तुत किया गया था, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। कई यूजर्स ने इसे 'फर्जी' या 'भ्रामक' जानकारी बताया। यह घटना सोशल मीडिया पर सूचना की सटीकता पर एक बार फिर बहस छेड़ गई है।

राजनीतिक दलों द्वारा जानकारी साझा करने पर सवाल

यह पहला मौका नहीं है जब किसी राजनीतिक दल को सोशल मीडिया पर गलत या भ्रामक जानकारी साझा करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा हो। इस तरह की घटनाएँ जानकारी की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती हैं, खासकर जब वे आधिकारिक चैनलों से आती हैं। जनता को हमेशा स्रोत की जाँच करने और साझा की गई जानकारी की पुष्टि करने की सलाह दी जाती है।

शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी खबरों में सटीकता की अहमियत

नीट जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी खबरें छात्रों और उनके परिवारों के लिए बहुत मायने रखती हैं। ऐसे में किसी भी गलत या भ्रामक जानकारी का प्रसार चिंताजनक हो सकता है। यह घटना दर्शाती है कि सूचना के युग में सटीकता और जवाबदेही कितनी आवश्यक है।

FAQ

प्रश्न 1: भाजपा ने नीट 2026 के बारे में कौन से वीडियो साझा किए ?
उत्तर : भाजपा ने नीट 2026 के सफल छात्रों के रूप में पुराने वीडियो साझा किए, जो वास्तव में नीट 2022 और 2023 के सफल छात्रों की कहानियाँ थीं।

प्रश्न 2: इन वीडियो को लेकर विवाद क्यों हुआ ?
उत्तर : इन वीडियो को लेकर विवाद इसलिए हुआ क्योंकि भाजपा ने उन्हें आने वाले नीट 2026 के परिणाम से जोड़कर प्रस्तुत किया, जबकि वे कई साल पुराने थे, जिससे भ्रामक जानकारी फैल गई।

अधिक विस्तृत समाचार कवरेज के लिए, Vews.in पर विजिट करें।

ट्रेंडिंग

मणिपुर : एक संघर्षरत राज्य में मतदाता की पहचान – चुनावी सटीकता की चुनौतियाँ

[illegible]

BY ZAINAB | PUBLISHED: 29 JUL 2026, 12:45 PM

म

मुख्य बातें

- भारतीय कानून के अनुसार, मणिपुर में मतदाता वही है जो 18 वर्ष का भारतीय नागरिक हो और संबंधित निर्वाचन क्षेत्र का 'सामान्य निवासी' हो।
- राज्य में जारी जातीय संघर्ष ने हज़ारों लोगों को विस्थापित किया है, जिससे मतदाता पहचान और पंजीकरण में बड़ी चुनौतियाँ खड़ी हुई हैं।
- चुनाव आयोग मतदाता सूचियों को अद्यतन करने और विस्थापित मतदाताओं को मताधिकार से वंचित न होने देने के लिए विशेष प्रयास कर रहा है।

पूर्वोत्तर का राज्य मणिपुर लंबे समय से आंतरिक संघर्षों और चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में यह सवाल अहम हो जाता है कि आखिर 'मणिपुर में मतदाता कौन है ?' चुनावी सटीकता और समावेशिता बनाए रखना, विशेषकर जब राज्य संघर्ष की गहरी छाया में हो, एक जटिल कार्य है। एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया लोकतंत्र की रीढ़ है, लेकिन मणिपुर जैसे राज्य में यह राह आसान नहीं।

कौन है मणिपुर का मतदाता ? कानूनी कसौटी

भारत में मतदाता की परिभाषा स्पष्ट है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के अनुसार, एक मतदाता वह व्यक्ति है जो भारत का नागरिक हो, 18 वर्ष या उससे अधिक आयु का हो, और किसी विशेष निर्वाचन क्षेत्र का 'सामान्य निवासी' हो। यह 'सामान्य निवासी' शब्द मणिपुर जैसे संघर्ष-ग्रस्त राज्य में सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। हज़ारों लोग अपने घरों से विस्थापित हुए हैं, जिससे उनके निवास स्थान का निर्धारण करना जटिल हो गया है। चुनाव आयोग के लिए यह सुनिश्चित करना प्राथमिक है कि केवल वैध और पात्र मतदाता ही सूची में शामिल हों, और कोई भी पात्र नागरिक वंचित न रहे।

संघर्ष की छाया में मतदाता पहचान

मणिपुर में हालिया जातीय हिंसा ने हज़ारों परिवारों को अपने पैतृक निवास स्थान छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। राहत शिविरों में रह रहे ये लोग अब अपने मूल निर्वाचन क्षेत्रों से दूर हैं। ऐसे में उनकी मतदाता पहचान को बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना कि वे आगामी चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, एक बड़ी प्रशासनिक और मानवीय चुनौती है। कई विस्थापितों के पास अपने पहचान पत्र, निवास प्रमाण पत्र या अन्य आवश्यक दस्तावेज नहीं बचे हैं, जो मतदाता सूची में उनके नाम की पुष्टि के लिए आवश्यक होते हैं। चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए इन बाधाओं को दूर करना अनिवार्य है।

विस्थापितों के अधिकार और चुनावी चुनौतियाँ

संघर्ष से विस्थापित हुए लोगों के मताधिकार को सुनिश्चित करना किसी भी लोकतंत्र में एक नैतिक और संवैधानिक दायित्व है। मणिपुर में विस्थापित व्यक्तियों के लिए, यह केवल एक तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि उनके नागरिक अधिकारों का भी मामला है। चुनाव आयोग ने पूर्व में भी संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में विशेष प्रावधान किए हैं, जैसे कि अस्थायी मतदाता पंजीकरण केंद्र स्थापित करना या शिविरों में रहने वाले लोगों के लिए विशेष व्यवस्था करना। हालांकि, मौजूदा स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए, इन उपायों को सावधानीपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ लागू करना होगा ताकि किसी भी प्रकार के संशय या आरोप-प्रत्यारोप से बचा जा सके। चुनावी रोल में सटीकता बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना कि कोई भी अयोग्य व्यक्ति सूची में शामिल न हो, जबकि सभी योग्य लोग शामिल हों, एक नाजुक संतुलन है।

चुनावी शुद्धता सुनिश्चित करने की आयोग की रणनीति

भारत निर्वाचन आयोग ने मणिपुर में मतदाता सूचियों को अद्यतन करने और उनकी सटीकता सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इसमें मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान, जागरूकता कार्यक्रम और विस्थापित व्यक्तियों के लिए विशेष सुविधाएँ शामिल हैं। इसका उद्देश्य फर्जी मतदाताओं को बाहर निकालना और साथ ही उन लोगों को शामिल करना है जो कानूनी रूप से पात्र हैं, भले ही वे अस्थायी रूप से विस्थापित हुए हों। सुरक्षा चिंताओं के कारण फील्ड स्टाफ की पहुँच सीमित हो सकती है, जिससे सत्यापन प्रक्रिया और भी जटिल हो जाती है। इसके बावजूद, आयोग डेटा की जाँच, घर-घर सत्यापन और राजनीतिक दलों के साथ संवाद के माध्यम से चुनावी पारदर्शिता को बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता को अक्षुण्ण रखना ही लोकतंत्र को मजबूत बनाता है।

इन चुनौतियों के बावजूद, भारत के लोकतांत्रिक ढाँचे में प्रत्येक नागरिक के मताधिकार का महत्व सर्वोपरि है। चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और सटीकता को बनाए रखना ही मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने में सहायक होगा। इस गंभीर और संवेदनशील कार्य में सभी हितधारकों का सहयोग आवश्यक है। अधिक विस्तृत समाचार कवरेज के लिए, Vews.in पर विजिट करें।

ट्रेंडिंग

पाकिस्तान का है वायरल पुलिस फायरिंग वीडियो, भारत में CJP प्रदर्शन से कोई संबंध नहीं - जानें पूरा सच

□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□□□ CJP □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ Vews.in □□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□, □

BY ZAINAB | PUBLISHED: 29 JUL 2026, 07:45 AM

K

Key Highlights

- पुलिस फायरिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैला।
- दावा किया गया कि यह वीडियो भारत में CJP प्रदर्शनों का है।
- पड़ताल में सामने आया कि यह वीडियो पाकिस्तान का है, भारत का नहीं।

वायरल पुलिस फायरिंग वीडियो: CJP प्रदर्शन से जोड़ने का भ्रामक दावा

हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर एक वीडियो बड़ी तेजी से वायरल हुआ। इस वीडियो में पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी करते हुए दिखाया गया है। वीडियो के साथ दावा किया गया कि यह क्लिप भारत में CJP (संभवत: नागरिक न्याय प्रदर्शनों) के दौरान की है। यूजर्स इसे भारतीय पुलिस की कार्रवाई बताकर साझा कर रहे थे। एक गलत नैरेटिव गढ़ने की कोशिश की जा रही थी।

सच्चाई का खुलासा : पाकिस्तान की घटना, भारत से नहीं

Vews News की विस्तृत पड़ताल में इस वायरल वीडियो की सच्चाई सामने आई। यह वीडियो भारत का है ही नहीं। दरअसल, यह फुटेज पाकिस्तान का है। इसमें दिख रही घटना भारत में हुए किसी भी CJP या अन्य प्रदर्शन से संबंधित नहीं है। गलत संदर्भ के साथ वीडियो को साझा किया जा रहा था। यह स्पष्ट रूप से गलत सूचना फैलाने का प्रयास था।

क्यों महत्वपूर्ण है सच जानना ?

सोशल मीडिया पर अक्सर ऐसे भ्रामक वीडियो फैलाए जाते हैं। इनका उद्देश्य जनता को गुमराह करना होता है। किसी भी संवेदनशील स्थिति में गलत जानकारी आग में घी का काम करती है। ऐसे वीडियो समाज में भ्रम और अशांति पैदा कर सकते हैं। समय पर तथ्यों की जांच बहुत जरूरी हो जाती है।

प्रदर्शनों के दौरान गलत सूचनाओं का बढ़ता खतरा

विभिन्न विरोध प्रदर्शनों और सार्वजनिक घटनाओं के दौरान गलत सूचनाओं का प्रसार एक गंभीर चुनौती बनकर उभरा है। दिल्ली पुलिस की रिपोर्टों से भी यह सामने आया है कि कुछ प्रदर्शनों में 101 हत्या आरोपी और 989 आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग शामिल थे। इससे पता चलता है कि ऐसे आयोजनों को अक्सर गलत तत्वों द्वारा हाईजैक करने की कोशिश होती है। गलत जानकारी फैलाई जाती है।

फर्जी खबरों से निपटने की चुनौती

सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि कई देशों में विरोध प्रदर्शनों के दौरान फर्जी खबरें और पुराने वीडियो गलत संदर्भ में इस्तेमाल किए जाते हैं। दिल्ली पुलिस ने NEET विरोध प्रदर्शनों में भी 'ऑपरेशन सिंदूर कनेक्शन' का खुलासा किया था, जिसमें 480 पाकिस्तानी हैंडल की पहचान की गई थी। ये हैंडल सोशल मीडिया पर अशांति फैलाने और गलत नैरेटिव सेट करने का काम कर रहे थे। ऐसे में, किसी भी वायरल सामग्री पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता जांचना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

यह घटना एक बार फिर दर्शाती है कि डिजिटल युग में सूचनाओं की सत्यता को परखना कितना आवश्यक है। झूठे दावों और भ्रामक प्रचार से बचने के लिए हमेशा विश्वसनीय स्रोतों पर भरोसा करें। ऐसे वीडियो सिर्फ भ्रम फैलाते हैं। तथ्यों की पुष्टि के लिए Vews.in पर बने रहें।

▶ **Read Online:**
https://vews.in/trending/pakistans-viral-police-firing-video-has-nothing-to-do-with-cjp-protests-in-india-know-the-whole-truth

ट्रेंडिंग

हनुमान भजन पर नाचते मुस्लिम शख्स का वायरल वीडियो CJP प्रोटेस्ट का नहीं : जानें सच्चाई

[illegible] CJP [illegible] Vews.in [illegible]

BY ZAINAB | PUBLISHED: 29 JUL 2026, 07:00 AM

K

Key Highlights

- सोशल मीडिया पर एक मुस्लिम शख्स के हनुमान भजन पर नाचने का वीडियो तेजी से वायरल।
- दावा किया जा रहा है कि यह जंतर मंतर पर CJP के हालिया विरोध प्रदर्शन का है।
- जांच में पता चला, यह दावा निराधार है ; वीडियो पुराना है और उसका प्रदर्शन से कोई संबंध नहीं।

वायरल वीडियो का दावा : क्या है सच ?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इन दिनों एक वीडियो बड़ी तेजी से साझा किया जा रहा है। इसमें एक मुस्लिम शख्स को हनुमान भजन की धुन पर झूमते और नाचते हुए देखा जा सकता है। इस वीडियो को साझा करने वाले कई यूजर्स दावा कर रहे हैं कि यह दिल्ली के जंतर मंतर पर 'सिटिजन्स फॉर जस्टिस एंड पीस' (CJP) के हालिया विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है। यह वीडियो खूब सुर्खियां बटोर रहा है, जिससे लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है।

दावों की पड़ताल : सच्चाई कुछ और

कई विश्वसनीय सूत्रों और फैक्ट-चेकर्स ने इस वायरल दावे की पड़ताल की है। जांच में सामने आया है कि यह दावा पूरी तरह से गलत और भ्रामक है। वायरल हो रहा यह वीडियो असल में काफी पुराना है और इसका CJP द्वारा हाल ही में आयोजित किसी भी विरोध प्रदर्शन से कोई लेना-देना नहीं है। वीडियो में दिख रहे व्यक्ति और जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन के बीच कोई सीधा संबंध स्थापित नहीं हो सका है। यह वीडियो विभिन्न संदर्भों में पहले भी इंटरनेट पर उपलब्ध रहा है।

गलत सूचना के प्रसार से बचें

आधुनिक डिजिटल युग में, पुराने वीडियो और तस्वीरों को नए संदर्भों के साथ गलत तरीके से पेश करना आम हो गया है। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि सोशल मीडिया यूजर्स किसी भी जानकारी को आगे साझा करने से पहले उसकी सत्यता की गहनता से पुष्टि करें। असत्यापित जानकारी और गलत दावे अक्सर समाज में गलतफहमी और अनावश्यक तनाव को बढ़ावा देते हैं। इससे व्यक्तिगत धारणाओं और सामाजिक सद्भाव पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

तथ्यों की सटीकता ही सच्ची पत्रकारिता

यह घटना एक बार फिर इस बात को रेखांकित करती है कि सूचना के इस विशाल सागर में तथ्यों की सटीकता कितनी महत्वपूर्ण है। बिना पुष्टि के किसी भी सामग्री को साझा करना न केवल गलत नैरेटिव को जन्म देता है, बल्कि सार्वजनिक बहस को भी गुमराह कर सकता है। विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी प्राप्त करना और उसकी क्रॉस-चेकिंग करना ही भ्रामक सामग्री के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार है।

अधिक विश्वसनीय और तथ्यात्मक समाचार कवरेज के लिए, Vews.in पर बने रहें।

▶ **Read Online:**
https://vews.in/trending/viral-video-of-muslim-man-dancing-to-hanuman-bhajan-not-cjp-protest-know-the-truth